एग्री आर्टिकल्स
(कृषि लेखों के लिए ई-पत्रिका)
वर्ष: 04, अंक: 02 (मार्च-अप्रैल, 2024)
www.agriarticles.com पर ऑनलाइन उपलब्ध
© एग्री आर्टिकल्स, आई. एस. एस. एन.: 2582-9882

पश्चिमी राजस्थान में बाजरा के प्रमुख कीट एवं उनका प्रबंधन

(*पूजा कुमारी, शकुंतला, बबलु शर्मा एवं सैफ अली खान)
राजस्थान कृषि अनुसन्धान संस्थान, दुर्गापुरा, जयपुर
*संवादी लेखक का ईमेल पता: poojaraokumari98@gmail.com

बाजरा *खपेनिसिटम ग्लूकम* (एल.) आर. बीआर., मोटे अनाजों में उगाये जाने वाली सबसे मुख्य फसल है। क्षेत्रफल और उत्पादन की दृष्टि से बाजरा, ज्वार के बाद आने वाली मुख्य फसल है। यह एक प्रमुख चारा फसल भी है। राजस्थान का बाजरा उत्पादन व क्षेत्रकल की दृष्टि से भारत में प्रथम स्थान है। भारत के कुल बाजरे का 45.56 प्रतिशत उत्पादन राजस्थान में होता है। राजस्थान में बाजरे का सर्वाधिक क्षेत्रफल बाड़मेर व उत्पादन अलवर जिले में होता है। बाजरा शुष्क एवं अर्द्धशुष्क जलवायु की फसल है। बाजरा जल भराव और अम्लीय मृदा के अनुकूल नहीं है। बाजरे को उसके पोषण मान के आधार पर 'गरीब का भोजन' कहा जाता है। बाजरा में उपस्थित मुख्य पोषण स्त्रोत – कार्बोहाइड्रेट (67 ग्राम), प्रोटीन (12 ग्राम), वसा (5 ग्राम) इत्यादि बाजरा ऊर्जा का एक मुख्य स्त्रोत है। इससे 360 कैलोरी ऊर्जा प्राप्त होती है। बाजरा में पाये जाने वाले मुख्य वृहद एवं सूक्ष्म पोषण तत्व – कैल्सियम (42 ग्राम), फोस्फोरस (242 मिलीग्राम) और आयरन (8 मिलीग्राम)। बाजरा मधुमेह, मोटापा, ग्लूटीन एलर्जी और एसिडिटी जैसी बीमारियो से ग्रस्ति लोगो के लिए लाभकारी है। बाजरा के कम उत्पादन के लिए विभिन्न जैविक एवं अजैविक कारक जिम्मेदार होते है। फसल की सुरक्षा के लिए कीटो की उचित पहचान एवं प्रबंधन अपनाना चाहिए।

बाजरे के प्रमुख कीटः

(1) शूट फ्लाई (प्ररोह मक्खी) *ऐथेरिगोना सोकाटा*

शूट फ्लाई का प्रकोप ज्यादातर अंकुरण के 30 दिन तक देखने को मिलता है। शूट फ्लाई पत्तियों की निचली सतह पर मध्यशिरा के समानांतर सिगार के आकार के अंडे देती है। वयस्क शूट फ्लाई गहरे भूरे रंग होती है। और घरेलू मक्खी के समान दिखती है।

हानिकारक लक्षणः–शूट फ्लाई के लट को 'मेगट' कहा जाता है। जो बाजरे के प्ररोह एवं वृद्धि बिंदु को काट देता है। जिसके परिणामस्वरूप केंद्रीय मुख्य पत्ती मुरझा कर सूख जाती है। उसे 'डेडहार्ट' कहा जाता है। ये सभी लक्षण वनस्पतिक अवस्था में दिखाई देते है।

प्रबन्धन

- शूट फ्लाई के प्रकोप से बचने के लिए मानसून के तुरंत बाद जल्दी बुवाई करनी चाहिए
- उच्च बीज दर उपयोग का उपयोग करना चाहिए
- फिश मील ट्रेप का उपयोग करना चाहिए
- इमिडाक्लोप्रिड 600 एफ.एस. / 8.75 मिली/किलोग्राम बीज से बीज उपचार करना चाहिए
- इमिडाक्लोप्रिड 17.8 एस.एल. / 0.5 मिली/लीटर का छिड़काव वानस्पतिक अवस्था में और इमामेक्टिन बेंजोएट 5 एस.जी. / 3 ग्राम/10 लीटर बाली आने की अवस्था में करना चाहिए
- 5 प्रतिशत नीम के बीज की गिरी का अर्क 500 लीटर/ हेक्टेयर की दर से उपयोग करे
- शूटफ्लाई के प्राकृतिक शत्रु:
- परभक्षी : मकड़ियां, कोक्सीनेलिड्स, लेस विंग्स आदि।

(2) बाली लट, (*हेलिकोवर्पा आर्मीजेरा*)

हेलिकोवर्पा आर्मीजेरा बहुभक्षी कीट है। *हेलिकोवर्पा आर्मीजेरा* की लट हरे अथवा गहरे भूरे रंग की होती है। सामान्यत किनारो पर पतली गहरे रंग की धारियाँ पाई जाती है। इसके अंडे क्रीमी सफेद रंग के एवं गोलाकार होते है।

हानिकारक लक्षण:–बाजरा मे *हेलिकोवर्पा आर्मीजेरा* की लट सीटे की अवस्था में फसल को नुकसान पहुंचाता है। यह दूधियाँ दानो और परिपक्व सीटो को हानि पहुंचाता है। जिससे अनाज की मात्रा एवं गुणवत्ता कम हो जाती है।

प्रबन्धन

- *हेलिकोवर्पा आर्मीजेरा* के प्रकोप से बचने के लिए हाथो से परिपक्व लट को एकत्रित करके नष्ट कर देना चाहिए
- HaNPV (*हेलिकोवर्पा आर्मीजेरा* न्यूक्लियो पोलिहेड्रोसिस वायरस) / 500 एल.ई./हेक्टेयर एवं *बेवेरिया बेसियाना* 1. 15 डब्ल्यू.पी. / 5 ग्राम/लीटर से बीज उपचार करना चाहिए
- इमामेक्टिन बेंजोएट 5 एस.जी. / 3 ग्राम/10 लीटर का छिड़काव सीटो की अवस्था मे करना चाहिए
- क्लोरेनट्रानिप्रोल 18.5 एस.सी. / 3 मिली/10 लीटर बाली आने की अवस्था में करना चाहिए